

उत्तराखण्ड शासन

भाषा विभाग

संख्या-68 /XXXIX-भा0वि0- 20(सा10)/2009

देहरादून: दिनांक: ०१ जुलाई, 2009

सितम्बर

कार्यालय-ज्ञाप

भारत की राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा हिन्दी है। उत्तराखण्ड राज्य ने भी हिन्दी को शासकीय प्रयोजनों के लिए भाषा के रूप में अंगीकार किया है। राज्य सरकार हिन्दी भाषा को सर्वोच्च स्थान दिये जाने हेतु शिक्षा, समाचार, शासकीय कार्यों की भाषा सर्वमान्य किये जाने हेतु कृत संकल्प है। इसलिए इसके प्रचार-प्रसार, हिन्दी साहित्य एवं साहित्यकारों के प्रोत्साहन व विकास के लिए राज्य में उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी की स्थापना किया जाना आवश्यक हो गया है। शासकीय, अर्द्धशासकीय आदेशों का हिन्दी में अनुवाद, उन्हें प्रमाणित पुस्तक के रूप में प्रकाशन करना, शोध कार्यों को प्रोत्साहन देना, गोष्ठियों एवं सम्मेलन द्वारा हिन्दी को प्रोत्साहित करने आदि का कार्य किया जायेगा। उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी, उत्तराखण्ड शासन के भाषा विभाग के अधीन कार्य करेगी और सोसाइटी रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकरण कराया जायेगा। अतएव उक्त अकादमी के गठन की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी का स्वरूप निम्नवत् होगा -

1. संस्था का नाम- अकादमी का नाम उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी होगा।
2. मुख्यालय- उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी का मुख्यालय जनपद देहरादून में होगा। समुचित व्यवस्था होने तक उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी का कार्य भाषा विभाग उत्तराखण्ड शासन द्वारा सम्पादित किया जायेगा।
3. अकादमी के उद्देश्य एवं कार्य निम्नवत् होंगे; अर्थात् -
 1. हिन्दी के संवर्द्धन के लिए उत्तराखण्ड के विद्यालयों, विश्वविद्यालयों की पाठ्य-पुस्तकों प्राविधिक तथा अन्य सभी विषयों पर अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करना व विभिन्न भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद करना व कराना।
 2. विद्यालय, विश्वविद्यालय की पाठ्य-पुस्तकों, प्राविधिक तथा अन्य सभी विषयों से संबंधित पुस्तकों, शब्दकोषों इत्यादि को मूल रूप से हिन्दी में तैयार करना या कराना।
 3. विभिन्न विषयों पर शोधपत्र, निबन्ध तथा पत्रिकाएँ मूल रूप में हिन्दी में तैयार करना व कराना।

4. उपर्युक्त पुस्तकों, शोधपत्रों, इत्यादि के मुद्रण की व्यवस्था करना उनके प्रकाशन तथा विपणन की व्यवस्था करना।
5. हिन्दी के विश्वविद्यालय स्तरीय पठ्य-पुस्तकों को लिखने के लिए शिक्षा के आधुनिक तकनीकी रचनाकारों एवं उत्कृष्ट विद्वानों, विशेषज्ञों तथा अनुभवी लेखकों का चयन करना और प्रोत्साहन देना।
6. लेखकों या प्रकाशकों द्वारा निजी रूप से तैयार कराई गई विश्वविद्यालय स्तरीय पुस्तकों के अनुमोदन के सम्बन्ध में अधिकारियों को उपयुक्त परामर्श देना जिससे लेखकों को प्रोत्साहन दिया जा सके।
7. हिन्दी वाङ्मय के शब्दकोष के विस्तार के लिए विश्व के तकनीकी विद्वानों की कार्यशालाएं आयोजित कर, हिन्दी तकनीकी शब्दों को व्यवहार में लाना तथा अभियन्त्रिकों से हिन्दी के सॉफ्टवेयर तैयार कराना।
8. हिन्दी वाङ्मय की समृद्धि के लिए विश्व साहित्य से विभिन्न उच्च स्तरीय ग्रन्थों तथा मानक ग्रन्थों की मौलिक रचनाओं का संकलन तथा हिन्दी में अनुवाद करना।
9. संस्थान द्वारा विभिन्न भाषाओं में प्राचीन, अर्वाचीन रचित परन्तु अप्रकाशित साहित्य एवं ग्रन्थों की खोज कर उसे प्रकाशित कर ग्रन्थों की विक्री की व्यवस्था करना।
10. हिन्दी भाषा में लिखित प्राचीन दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संकलन, संरक्षण एवं प्रकाशन करना।
11. हिन्दी भाषा व साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए ग्रन्थों की प्रदर्शनीयों आयोजित करना।
12. हिन्दी में रचित मौलिक ग्रन्थों तथा अन्य भाषाओं से हिन्दी में अनुदित उच्चकोटि की साहित्यिक कृतियों को पुरस्कार प्रदान करना।
13. हिन्दी लेखकों को आर्थिक सहायता प्रदान करना।
14. हिन्दी पत्रकारिता के विकास के लिए कार्य करना।
15. हिन्दी की उच्चकोटि की पुस्तकों के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना।

16. हिन्दी साहित्य की उत्कृष्ट पुस्तकों का चयन, क्रय-विक्रय करना।
17. विभिन्न शासकीय अर्द्धशासकीय तथा अशासकीय विभागों/संस्थाओं को अपने विभागीय कार्य हिन्दी भाषा में करने व कराने हेतु प्रेरित करना तथा उनसे मासिक रूप से प्रगति सूचना प्राप्त करना।
18. जनसामान्य में हिन्दी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए हिन्दी दिवस, हिन्दी सप्ताह, विभिन्न प्रतियोगिताएं, शोभा यात्राओं आदि कार्यक्रमों का आयोजन करना।
19. केन्द्र सरकार की हिन्दी भाषा सम्बन्धी योजनाओं से आर्थिक सहायता प्राप्त करना एवं तदनुसार कार्य करना।
20. ऐसे सभी कार्य करना, जिनसे हिन्दी भाषा व साहित्य का विकास हो तथा ऊपर निर्दिष्ट उद्देश्यों के आगे बढ़ने की सम्भावना हो।

4. समितियों का गठन—

उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी के लिए साधारण सभा और प्रबन्धकारिणी समिति गठित की जायेगी। साधारण सभा निम्नवत् प्रस्तावित है :—

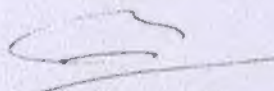
- | | | |
|---------------------------------|---|--|
| (1) अध्यक्ष | — | मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड। (पदेन) |
| (2) उपाध्यक्ष | — | शासन द्वारा नामित। |
| (3) सदस्य | — | मा० अध्यक्ष द्वारा 17 सदस्यों को नामित किया जायेगा, जिनमें पांच, सदस्य प्रमुख सचिव/सचिव स्तर के, चार सदस्य संस्थाओं/अकादमियों के निदेशक/रातिव, दो सदस्य राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपति, छः सदस्य भाषाविद्, प्राचार्य, उपाचार्य, साहित्यकार, पत्रकार, समाजसेवी होंगे। |
| (4) कोषाध्यक्ष | — | शासन द्वारा नियुक्त। |
| (5) सदस्य सचिव/
सचिव, अकादमी | — | राज्य सरकार द्वारा नियुक्त। |

राज्य द्वारा उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी की स्थापना के लिए राज्य संसाधनों के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी निवेश प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा। उपरोक्तानुसार राज्य में उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी की स्थापना की दशा में अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा वित्तीय उपाशय का प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत किया जायेगा।

(राजीव तन्द)
सचिव

संख्या- 68 (1)/ XXXIX-भा0वि0- 20(सा0)/2009, तददिनांक

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
- 1- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 - 2- अपर मुख्य सचिव/समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 - 3- प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
 - 4- निदेशक, उत्तराखण्ड भाषा संस्थान/सचिव, उत्तराखण्ड हिन्दी अकादमी, देहरादून।
 - 5- समस्त सदस्य, साधारण सभा और प्रबन्धकारिणी समिति।
 - 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(राजीव तन्द)
सचिव।